भजन

यही उम्मीद यही इंतजार करते हैं

ले चलो हम तो सिर्फ यह पुकार करते हैं

1 रोए आतम बयां करूँ कैसे

हाल अपना पिया कहूं कैसे

तेरे चरणों में अर्ज बार-बार करते हैं

2 यह बिछोहा सहा नहीं जाए

एक पल भी रहा नहीं जाए

रात दिन बस तुमही से ये गुहार करते हैं

3 इश्क में जीत बस तुम्हारी हो

मान ली है खता हमारी है

क्यों हमें आप और शर्मसार करते हैं।